**Prof. D. P. Singh, Chairman UGC, is going to inaugurate Users Guest House of UGC-DAE CSR**

UGC-DAE CSR was established by UGC for providing state-of-the-art equipment & facilities for the benefit of the researchers working in different universities and institutions. It has three centres in Indore, Mumbai and Calcutta and a node in Kalpakkam, with Indore being also the headquarter. The need of the nation is fresh research and in new education policy research is at the forefront. UGC-DAE CSR which is situated in the campus of the Devi Ahilya University, Indore is an autonomous institute of UGC and it represents part of the UGC initiative towards augmentation and sharpening of the research skills in higher education within the teaching sector of the nation. In this regard, the Consortium collaborates with the research groups from the teaching communities across the nation under its novel Collaborative Research Scheme (CRS) enabling a prolific and high quality research usage of the in-house and the DAE research facilities. Every year more than a thousand researchers across the country visit the Consortium and take advantage of the facility. The unique mandate of the Consortium is to provide major facilities at the centre along with local hospitality free of cost to researchers from universities. Looking into the need and increasing demand from the users fraternity, a new users' guest house has been built. The Users' Guest house is likely to make the stay of the researchers comfortable and will enable the consortium to invite more young researchers for experiments. The UGC Chairman Prof. Singh has been taking a keen interest in the developments at the Consortium. During his visit to the Consortium, he will be inaugurating a new Users' guest house at UGC DAE CSR Housing Complex, Indrapuri, Indore, in the presence of other dignitaries and guests at 4:30 pm.

**विश्वविद्यालयअनुदानआयोगकेअध्यक्षप्रो. डी. पी. सिंह९ नवंबरकोयू.जी.सी. - डी. ए. इ. वैज्ञानिकअनुसंधानसंकुलकेनएप्रयोगकर्ताअतिथिगृहका उद्घाटन करेंगे।**

विश्वविद्यालयअनुदानआयोगकेअध्यक्षप्रो. डी. पी. सिंह९ नवंबरकोयू.जी.सी. - डी. ए. इ. वैज्ञानिकअनुसंधानसंकुलकेआवासीयप्रांगण, इंद्रपुरी ,इंदौरमेंनएप्रयोगकर्ताअतिथिगृहका उद्घाटन करेंगे। यू.जी.सी. - डी. ए. इ. वैज्ञानिकअनुसंधानसंकुलकीस्थापनायू.जी.सी. केद्वारादेशकेविभिन्नविश्वविद्यालयों व शोधसंस्थानोंमेंकार्यरतशिक्षकों व शोधार्थियोंकोशोधकेलिएआवश्यकउत्कृष्टउपकरणों व सुविधाकेलाभप्रदानकरनेकेलिएकियागयाथा। इससंस्थानकेतीनकेंद्रइंदौर, मुंबई व कोलकातामेंहैऔरएकनोडकलपक्कममेंस्थितहैऔरइनकामुख्यालयइंदौरमेंहै। वर्तमानयुगमेंनवीन व सृजनात्मकशोधराष्ट्रकीआवश्यकताहैऔरदेशकीनयीशिक्षानीतिमेंभीशोधकोवरीयता / प्राथमिकतादीगयीहै। संकुलजिसकामुख्यालयइंदौरकेदेवीअहिल्याविश्वविद्यालयकेखंडवारोडस्थिततक्षशिलापरिसरमेंहै, यू.जी.सी. कीस्वायत्तसंस्थानहै। यहसंकुलदेशकीविभिन्नउच्चशिक्षासंस्थानोंमेंशिक्षकों व शोधछात्रोंकेशोधकौशलकोसंवर्धनकरनेहेतुयू.जी.सी. कीएकअनोखीपहलहै। इसउद्देश्यकीपूर्तिकेलिएसंकुलदेशकेविभिन्नउच्चशिक्षासंस्थानोंकेशिक्षकों, शोधार्थियों व शोधसमूहोंकेसाथअनूठेकोलैबोरेटिवरिसर्चस्कीम (शोधसहयोगपरियोजना) केअंतर्गतसहयोगकरताहै ,

जिसमेंसंकुलमेंस्थापितउपकरणों व डी. ए. इ.
केअद्वितीयवृहदशोधसुविधाओंकोउनशोधार्थियोंकेशोधकेलिएउपलब्धकरायाजाताहैऔरउन्हेंप्रशिक्षितकिया जाताहै। इनप्रयासोंसेउच्चकोटिकेशोधकोबढ़ावामिलताहै व इसकेकाफीअच्छेपरिणाममिलेहैं।
प्रतिवर्षदेशकेविभिन्नहिस्सेसेएकहजारसेअधिकशोधार्थीअपनेशोधकार्यहेतुसंकुलआकरइनउपकरणोंसेअपना प्रयोगकरतेहैंऔरसुविधाओंकालाभउठातेहैं।
संकुलअपनेइसअधिकृतकार्यकेलिएशोधार्थियोंकोयात्राभत्ताऔररहनेकेलिएअतिथिगृहमेंकमराभीनिःशुल्कउ पलब्धकरातीहै। क्रमशःबढ़तेहुएशोधार्थियोंकेअनुरोधऔरजरूरतकोदेखतेहुएएकनएप्रयोगकर्ताअतिथिगृह कानिर्माणकियागयाहै, जिससेशोधार्थियोंकाप्रवासऔरभीसुगमहोसकेगाऔरशोधार्थियोंकीसंख्याभीबढ़जायेगी । यू.जी.सी. केअध्यक्षप्रो. डी. पी. सिंहनेइससंकुलकेविकासमेंकाफीरुचिदिखायाहै।
वहअपनेसंकुलयात्राकेदौरानयू.जी.सी. -डी. ए. इ. वैज्ञानिकअनुसंधानसंकुलआवासीयप्रांगण, इंद्रपुरी ,इंदौरमेंइसनएप्रयोगकर्ताअतिथिगृहका उद्घाटन अन्यगणमान्यविद्वानोंकेउपस्थितिमें ९ नवंबरको ४३० बजेकरेंगे।